भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं.1788

2 जुलाई, 2019 को उत्तरार्थ

विषय: पीएम, किसान योजना का काम-काज

1788. श्री दीपक बैजः

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या किसानों को पी॰एम॰ किसान योजना के तहत बढ़ी हुई राशि नहीं मिली है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) उक्त योजना के तहत आवंटित कुल राशि और उसमें से किसानों को प्राप्त राशि और कुप्रबंधन के कारण लौटाई गई राशि का ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त योजना के तहत शेष किसानों को लाभ प्रदान करने के संबंध में मंत्रालय की कार्य योजना का ब्यौरा क्या है और उक्त किसानों के कब तक लाभान्वित होने की संभावना है; और

(ङ) क्या नियमों की जल्दबाजी में अनदेखी की गई और अयोग्य लोगों के खातों में पैसा हस्तांतरित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क): जी, नहीं।

(ख): प्रश्न नहीं उठता।

(ग) और (**घ):** प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) स्कीम एक अनवरत और प्रचालित स्कीम है जिसके तहत वित्तीय लाभों को जब और जैसे संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा चिन्हित लाभार्थियों का सही और सत्यापित डाटा पीएम-किसान वेब पोर्टल पर अपलोड किया जाता है, वैसे ही वित्तीय लाभ उनके बैंक खातों में अंतरित कर दिए जाते हैं। अब तक स्कीम के तहत प्रति वर्ष 6 हजार रूपए की निर्धारित राशि की पहली किस्त पहले ही 3,38,78,073 और दूसरी किस्त 2,96,21,789 लाभार्थियों के बैंक खातों में डाल दी गई है।

कार्यान्वयन की प्रारंभिक अवस्था में विभिन्न राज्यों में 269605 लाभार्थियों को पहली किस्त की निर्मुक्ति के बारे में भुगतान को रोके जाने संबंधी अनुदेश जारी किए गए थे। उनके मामलों में भुगतान का जायजा लिए जाने के दौरान यह पता चला था कि राज्यों द्वारा उपलब्ध कराए गए उनके बैंक संबंधी ब्यौरों में विसंगति मौजूद है।

इस स्कीम का दायरा बढ़ाकर अन्य सभी मौजूदा अपवर्जनों के अध्यधीन देश के सभी किसानों की भू-जोतों के आकार को ध्यान में लाए बिना सभी किसानों पर लागू कर दिया गया था। 217.50 करोड़ रूपए के प्रशासनिक प्रभारों के साथ वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए संशोधित स्कीम में 87,217.50 करोड़ रूपए का वित्तीय प्रावधान किया गया है।

(ड.): जी, नहीं।

*****